साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 | अंक : 08 — गोंदिया : गुरुवार, दि. 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर 2024 — ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

मादक पदार्थ तस्करी 3 आरोपीयों को गिरफ्तार कर 3 लाख 89 हजार का 19 किलो गांजा जप्त

बुलंद गोंदिया।(संवाददाता दर्रेकसा)- जिले में मादक पदार्थों पर लगाम लगाने के लिए की जा रही कार्रवाई के अंतर्गत 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर 3 लाख 89 हजार कीमत का 19 किलो 460 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जप्त किया उपरोक्त कार्रवाई लोकल क्राइम ब्रांच वह सालेकसा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकल क्राइम ब्रांच को गुप्त जानकारी प्राप्त हुई की 28 सितंबर की शाम 6ः30 से 7ः45 बजे के दौरान तीन व्यक्ति तोयागोंडी तहसील सालेकसा में गांजा तस्करी कर रहे हैं। जिस पर पुलिस द्वारा जाल बिछाते हुए आरोपियों को जांच के लिए रोका जिनकी तलाशी लिए जाने पर उनके पास से हरे रंग का मादक पदार्थ गांजा पाया गया। जिसका वजन 19 किलो 460 ग्राम वह अंदाजन कीमत 3 लाख89 हजार200 रु बताई गई। इस मामले में पुलिस द्वारा आरोपी विजय रमेश गोखे उम्र 33 वर्ष आजाद वार्ड तहसील जिला सिवनी मध्य प्रदेश 2) निलेश सुदेश दुबे उम्र 52 वर्ष चंद्रशेखर वार्ड तहसील जिला सिवनी मध्य प्रदेश 3)राजकुमार लेखराम यादव उम्र 40 वर्ष भगत सिंह वार्ड हड्डी गोदाम टीपू सुल्तान चौक तहसील जिला सिवनी मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया। उपरोक्त मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ सालेकसा पुलिस थाने में धारा 8 (क) 20 (क्ष) (द्वद्व) (ड्ढ), 29 एनडीपीएस कानून के तहत मामला दर्ज किया गया तथा आगे की जांच पुलिस निरीक्षक भूषण बुराडे के मार्गदर्शन में की जा रही है। उपरोक्त कार्रवाई लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक दिनेश लबदे,सालेकसा के निरीक्षक भूषण बुराडे, सहायक पुलिस निरीक्षक तुपे, स.पो.नि थेरे , पो हवलदार इंद्रजीत बिसेन, दुर्गेश तिवारी, प्रकाश गायधने, पो.ना. तुरकर,पोना डोहरे,पोना बिसेन पो.शि. इंगळे पो.शि. वेदक ,पो.शि. बैस,पो.शि. रोकडे,चापोशि हेमने पोशि विठले चापोशि. खांडारे द्वारा की गयी ।

बोगस आदिवासियों के खिलाफ मे, असली आदिवासी मैदान मे सरकार के विरोध में आदिवासियों का आक्रोश मोर्चा में हजारो शामिल

बुलंद गोंदिया। धनगर समाज को अनुसूचित जनजाति में शामिल न करें इस मुख्य मांग को लेकर आदिवासी संगठनो ने गोंदिया में 30 सितंबर को विशाल आक्रोश मोर्चा निकालकर सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। मोर्चे में लगभग 10 हजार आदिवासी समुदाय के महिला, पुरुष युवक शामिल हुए थे। मोर्चे का नेतृत्व आदिवासी अधिकार कृति समिति गोंदिया की ओर से किया गया । मांगो का ज्ञापन मा. राज्यपाल मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री,आयुक्त आदिवासी संशोधन वह प्रशिक्षण संस्था पुणे को जिलाधिकारी के माध्यम से दिया गया। आदिवासी अधिकार कृति समिति द्वारा जानकारी दी गई कि, महाराष्ट्र में धनगर समुदाय को घुमंतू समुदाय के रूप में वर्गीकृत किया गया है ।और इस समुदाय को किसी भी मानदंड के अनुसार आदिवासी के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता । इसलिए सरकार से आदिवासी समुदाय द्वारा अनुरोध किया गया है कि धनगर समाज के दबाव में आकर उन्हें आदिवासी आरक्षण देकर मूल आदिवासियों के साथ अन्याय न करें। धनगर समाज

राजनीतिक दबाव समूह बनाकर आदिवासियों से आरक्षण मांगने की लगातार कोशिश करता रहा है। लेकिन हर बार राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने उनकी मांग को खारिज कर दिया है। इसका एकमात्र कारण यह है कि धनगर समुदाय लोकुर समिति द्वारा निर्धारित आदिवासी मानदंडों को पूरा नहीं कर सका। 1979 में महाराष्ट्र सरकार ने धनगरों का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा। लेकिन केंद्र सरकार ने 1981 में प्रस्ताव वापस भेज दिया और स्पष्ट कहा कि धनगर आदिवासी नहीं हैं। 1995 में जब महाराष्ट्र में शिव सेना की सरकार थी तो धनगरों की इसी मांग को लेकर सुधीर जोशी समिति का गठन किया गया था। इस कमेटी में धनगर नेता श्रीपाद डांगे के अलावा समिति में मानवविज्ञानी और सामाजिक वैज्ञानिक भी थे। जिसपर इस समिति ने रिपोर्ट प्रस्तुत की है कि धनगर आदिवासियों के सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक मानदंडों को पूरा नहीं कर सकते। इसलिए धनगरों को आदिवासियों में शामिल नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद भी सरकार धनगर समाज को आदिवासी में शामिल करने के लिए नीति अपना रही है। यदि सरकार धनगर के पक्ष में निर्णय लेती है तो आदिवासी समुदाय संपूर्ण महाराष्ट्र में सड़क पर उतरकर तीव्र आंदोलन करेगी । इस तरह की चेतावनी भी निवेदन के माध्यम से दी गई है।

दिव्यांग विभाग के संविदा कर्मचारी स्थाई किए जाएंगे

गोंदिया-पिछले 20 वर्षों से समग्र शिक्षा के दिव्यांग विभाग में संविदा कर्मचारी के रूप में काम कर रहे राज्य के 3105 विशेष शिक्षकों को यथावत रखने का महत्वपूर्ण निर्णय कैबिनेट बैठक में लिया गया है. गोंदिया जिला समन्वयक विजय ठोकने ने इसके लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया. इससे गोंदिया जिले के 57 कर्मचारियों को लाभ मिलेगा और इस निर्णय के लिए दिव्यांग विभाग के जिला समन्वयक विजय ठोकने ने धन्यवाद दिया है और सभी कर्मचारियों ने खुशी जाहिर की है. जिले के इन कर्मचारियों में 2 जिला समन्वयक, 16 तहसील समन्वयक और 39 विशेष शिक्षक शामिल हैं. जिला समन्वयक विजय ठोकने ने बताया कि उक्त निर्णय लेने के लिए सरकार ने 2016 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया है कि सरकार को दिव्यांग लड़कों के लिए विशेष शिक्षक पद सृजित करने चाहिए. इसके लिए उन्होंने लातूर के विधायक अभिमन्यु पवार और गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल को भी विशेष धन्यवाद दिया है जो मुख्यमंत्री के साथ इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं.

अज्ञात वाहन की टक्कर व वन्य जीव के हमले मे 2 तेंदुए की मौत जिले के वनक्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानो का मामला

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के वन क्षेत्र के अंतर्गत दो अलग-अलग घटनाओं में दो तेंदुए की मौत हो गई जिसमें एक की अज्ञात वाहन की टक्कर में वह दूसरे की वन्यजीवों के आपसी संघर्ष में मौत होने का मामला सामने आया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया जिला वन विभाग के अंतर्गत गोंदिया वन परीक्षेत्र के तहत गोंदिया-तिरोडा मार्ग पर ग्राम मजीतपुर के समीप 30 सितंबर की रात 8.30 से 9.00 बजे के दौरान एक अज्ञात वाहन की टक्कर में एक एक तेंदुए की मौत हो गई इस संदर्भ में ग्राम मजीतपुर के सरपंच द्वारा को मार्ग से जाने वाले नागरिकों द्वारा जानकारी दी जिस पर सरपंच द्वारा वन परिक्षेत्र अधिकारी गोंदिया को सूचना दी। जानकारी प्राप्त होते ही वन परी क्षेत्र अधिकारी गोंदिया वह क्षेत्र सहायक दासगांव वह रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची जहां उन्हें तेंदुआ मृत अवस्था में दिखाई दिया। इसके पश्चात तेंदुए को कुड़वा के वन उद्यान में लाकर उसका शव विच्छेदन किया गया तथा 1 अक्टूबर को उसका अंतिम संस्कार किया गया।

दूसरा मामला अर्जुनी मोरगांव वन

परिक्षेत्र के अंतर्गत बोडगांव देवी सहवन क्षेत्र बोदरा बीट देवलगांव में एक अक्टूबर की सुबह11 से 11ः30 के दौरान गस्त लग रहे वन कर्मचारियों को मृत अवस्था 1 तेंदुआ दिखाई दिया। उपरोक्त घटना की जानकारी मिलते ही अर्जुनी मोरगांव वन परिक्षेत्र के सहायक वनरक्षक डॉक्टर उज्जवल बावनथडे , पशु विकास अधिकारी अर्जुनी मोरगांव के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच किए जाने पर तेंदुए के शरीर पर वन्य जीव संघर्ष के निशान पाए गए तथा उसे पर शेर के दांत के निशान पाए गए तथा सामने का एक पैर पूरी तरीके से टूटा हुआ था जिससे प्राथमिक जानकारी के अनुसार संभावना जताई जा रही है कि शेर व तेंदुए के आपसी संघर्ष में तेंदुए की मौत हुई। गोंदिया वन परिक्षेत्र के अंतर्गत व कोई तेंदुए की मौत में 1 अक्टूबर की सुबह उपवन संरक्षक प्रमोद पंचभाई, विभागीय वन अधिकारी वन्य जीव अतुल देवकर, सहायक वन संरक्षक सचिन डोंगरवार ,मानव वन्य जीव रक्षक सावन बाहेकर तथा प्रतिनिधि मुख्य वन्य जीव रक्षक महाराष्ट्र राज्य रूपेशनिबर्ते कुड़वा वन उद्यान में उनकी उपस्थिति में तेंदुए के शव की जांच कर पशु वैदिक की अधिकारी कुड़वा द्वारा उसका विच्छेदन कर सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में मृत तेंदुए का दाह संस्कार किया गया। अर्जुन मोरगांव वन क्षेत्र के अंतर्गत अर्जुनी मोरगांव डिपो में पशुधन विकास अधिकारी अर्जुनी मोरगांव द्वारा शव विच्छेदन कर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मृत तेंदुए के शव को जलाकर नष्ट किया गया तथा उपरोक्त दोनों मामले में संबंधित वन क्षेत्र के अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है।

जिले में बढ़ रही वन्यजीवों की मौत जिले के संरक्षित वन क्षेत्र में वन्यजीवों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किया जा रहे हैं तथा प्रतिवर्ष लाखों करोड़ों रुपए की राशि भी संवर्धन में लगाई जा रही है। इसके बावजूद गोंदिया जिले में गत दिनों से वन्य जीवों की मौत के मामले सामने आ रहे हैं गत सप्ताह दो टाइगर की मौत होने के पश्चात दो तेंदुए की मौत के मामले सामने आए हालांकि यह नैसर्गिक वह दुर्घटना में मौत होने की बात कही जा रही है लेकिन फिर भी कहीं ना कहीं वन्य जीवों की बड़े पैमाने पर मौत होने से जिले के संरक्षित वन क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगता दिखाई दे रहा है। साथ ही वन्य जीवों की मौत इस प्रकार होती रही तो जिले में पर्यटन पर भी इसका विपरीत परिणाम हो सकता है।

शातिर अपराधी पंकज उर्फ मोनू अग्रवाल पर एमपीडीए की कार्यवाही 1 साल के लिए चंद्रपुर सेंट्रल जेल रवाना

बुलंद गोंदिया। खून, नकली दस्तावेज बनाकर ठगबाजी, चोरी, अवैध उत्खनन, गांजा बिक्री, डकैती, वसूली, हथियार रखने आदि सहित 14 संगीन मामलों में लिप्त कुख्यात अपराधी पंकज उर्फ मोनू अग्रवाल को कलेक्टर गोंदिया के आदेश पर 1 साल के लिए एमपीडीए (महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ डेंजरस ?क्टिव्हिटी) कानून के तहत चंद्रपुर के मध्यवर्ती सेंट्रल जेल रवाना

किया गया है ।रामनगर थाना क्षेत्र के बंसत नगर निवासी 36 वर्षीय पंकज उर्फ मोनू पर रामनगर, रावनवाड़ी, दवनिवाड़ा एवं डूग्गीपार थानों में 14 संगीन मामले दर्ज है। एमपीडीए के तहत ये कार्रवाई आगामी धार्मिक उत्सवों, शांति बहाली और कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे द्वारा उठाये गए कड़े कदमों के तहत की गई। बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिले में ये 6वीं कार्रवाई है जिसके तहत अपराधियों पर एमपीडीए कानून की कार्रवाई की गई है।

विभिन्न विकास कार्य को गति प्रदान कर लाभार्थियों को योजना का लाभ मिलने के लिए जिले को करें मजबूत-राज्यपाल सी.पी राधाकृष्णन

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी राधाकृष्णन का 30 सितंबर को गोंदिया आगमन हुआ इस अवसर पर शासकीय विश्रामगृह में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा सभा ली इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न विकास कार्यों को गति प्रदान करें जिससे अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभ मिले इसके लिए जिले को मजबूत करें ऐसा निर्देश दिया।

आगे उन्होंने कहा कि गोंदिया जिले में आदिवासी विभाग के माध्यम से एकलव्य विद्यालयो को बढ़ाने , आदिवासी क्षेत्रों में केंद्र व राज्य शासन के माध्यम से द्वारा क्रियान्वित की जारी विभिन्न योजनाओं को अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पहुंचाया जाना चाहिए गोंदिया जिले में पर्यटन को विकसित करने के लिए प्रतापगढ़, नागझिरा, नवेगांवबांध में बड़े प्रमाण पर पर्यटन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए। साथ ही मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहन योजना ,मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना ,पंडित दीनदयाल उपाध्याय रोजगार मेला, मुख्यमंत्री वयोश्री योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, सारस पक्षी ,आदिवासी विकास योजना आदि विभिन्न विषयों की प्रस्तुति प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी गई। इस अवसर पर नागपुर के प्रभारी विभागीय आयुक्त डॉ विपिन ईटनकर जिलाधिकारी प्रजित नायर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम.मुरूगनाथम,उप वन संरक्षक प्रमोद पंचभाई, औद्योगिक संगठन के पदाधिकारी आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधि उमेद वह आंगनवाड़ी महिला प्रतिनिधि राजकीय पक्ष के प्रतिनिधि तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिलाधिकारी नायर द्वारा कंप्यूटर के माध्यम से प्रेजेंटेशन देकर जिले में संचालित विभिन्न योजना व विकास की जानकारी राज्यपाल को दी।

हर किसी को जानकारी मांगने, प्राप्त करने, प्रदान करने का अधिकार : बेहरे

गोंदिया-निवासी जिलाधिकारी भैयासाहब बेहरे ने कहा कि विश्व भर में 28 सितंबर को सूचना का अधिकार को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है. प्रशासन व नागरिकों के बीच सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 सेतु निर्माण करने का कार्य होता दिखाई दे रहा है. वे जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सूचना का अधिकार कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि इस दिन का उद्देश्य इस विचार को कायम रखना है कि हर किसी को जानकारी मांगने, प्राप्त करने व प्रदान करने का अधिकार है. यूनिवर्सल एक्सेस के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस का उद्देश्य सूचना तक पहुंच से संबंधित कानूनों का विस्तार करने की आवश्यकता के बारे में जागरुकता बढ़ाना है. यह

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के अनुरुप भी है. इस अवसर पर जिला आपदा व्यवस्थापन अधिकारी राजन चौबे, नायब तहसीलदार श्रीकांत कांबले, देवेंद्र पोरचेट्टीवार, सारिका बंसोड, सोनाली भोयर, मंजू खोब्रागडे, संतोष शेंडे, सुधीर रहांगडाले, राठोड़ व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे.

सड़क पर ऑइल गिरने से फिसले वाहन

गोंदिया-फूलचुर नाका से जयस्तंभ की ओर आनेवाले मार्ग पर 2 अक्टूबर की शाम 6 बजे के दौरान किसी वाहन का ऑइल लीकेज होने के कारण सड़क पर फैल गया। जिससे दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यह मैसेज सोशल मीडिया पर भी वायरल होने से वाहन चालक काफी हद तक सतर्क हो गए। इसके बावजूद जयस्तंभ के पास एक दोपहिया सवार का वाहन फिसलने की की जानकारी मिली है। इस संबंध में यातायात नियंत्रण विभाग गोंदिया के पुलिस निरीक्षक नागेश भास्कर से जानकारी लेने पर यातायात पुलिस कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। जिसके बाद वाहन चालकों को संभावित दुर्घटना से बचाने के लिए शहर यातायात पुलिस के कर्मचारियों ने भी तत्परता से कार्रवाई करते हुए घटना स्थल पर रेत डाली। ताकि वाहन चालक फिसल न सके एवं वाहन चालक सुरक्षित रहे। यातायात पुलिस की इस तत्काल कार्रवाई से वाहन चालकों को भारी राहत मिली।

संपादकिय...

इन पन्नों पर गिरी कालिख

उनकी चार पंक्तियों ने उधेड़ दिया सारा, था खत मगर पढ़ते ही टूट गए चश्मे। ये चश्मे पत्रकारिता के नाम को उस चरित्र में बदनाम कर रहे हैं जो आज के दौर में माफिया हो गए हैं। एक प्रशासनिक अधिकारी शिल्पी बेक्टा ने सोशल मीडिया में 'चार पंक्तियां' ही तो लिखीं, लेकिन कालिख कई पन्नों पर गिरी है। उनका अनुभव किसी ब्लैकमेलर पत्रकार की शिकायत से रूबरू है। वह 'प्रेस' शब्द के धनुष पर चढ़े भ्रष्ट तीर को इंगित करते हुए कार्रवाई की मांग कर रही हैं। हम मीडिया की व्यापकता में ऐसी बदनाम गलियों में पहुंच गए हैं जहां 'माइक' अपने परिचय की भूमिका में तथाकथित डिजीटल मीडिया का कारिंदा है। है फिर भी कुछ असर तेरी निगाहों में, जो लिखते हैं आज भी आंख से खबर। ऐसा नहीं है कि सारे परिंदे खेत लूट गए, बहुत से आज भी उड़ान पे हैं। आज भी पत्रकारिता क्षेत्र में समाज के दायित्व, देश के फर्ज, व्यवस्था के आईने व अभिव्यक्ति की खुली किताबों में राष्ट्र का विश्वास है, तो इस स्तंभ के पैरोकार विद्यमान हैं। इसमें दो राय नहीं कि खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदल रहा है, लेकिन शब्दों की होली हर जगह बदनाम नहीं हो सकती। मीडिया आज भी अपनी इंद्रधनुषी छटा में समाज के सामने एक अद्भुत तस्वीर है, भले ही इस किरदार की शुमारी कम है। शिल्पी बेक्टा एक व्हिसल ब्लोअर की तरह पूरे मीडिया को सचेत कर रही हैं और अगर हम खुद में झांक कर देखें तो हर प्रेस कांफ्रेंस में आने वाला हुजूम पत्रकार नहीं है। हर नेता का मुखबिर या मीडिया सलाहकार पत्रकार नहीं हो सकता। बदनाम तो सत्ता की गलियों में मुंह मारने वाले हर जगह हैं, लेकिन मीडिया के भेष में जो दलाल मिल गए, तो सारे प्रोफेशन पर अंगुलियां उठती हैं। जाहिर तौर पर मीडिया में एक असंगठित व स्वयंभू पत्रकारों की खेप अब डिजीटल मीडिया के माध्यम से अपने दुराग्रहों का उपभोग कर रही है। महज एक मोबाइल और माइक पर चमकाया गया परिचय, पूरे मीडिया जगत की नुमाइंदगी नहीं कर सकता, लेकिन यहां तो अब संपादकों की फौज में, हर पक्ष गौण और कमजोर है। हिमाचल में आज भी अखबारी दुनिया के मार्फत पत्रकारिता के संदर्भ काफी हद तक पुख्ता माने जा सकते हैं, लेकिन नए दौर के डिजीटल माध्यम ने यह छूट दे रखी है कि जहां कोई निर्धारित नियम या आचार संहिता नहीं। अफसोस यह कि मीडिया संगठन भी यहां प्रेस क्लब के सियासी संपर्कों में व्यस्त हैं और सरकारी सुविधाओं के आखेट में कठपुतलियां खुद को शिकारी मान रहीं। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारी बेक्टा प्रत्यक्ष को परिमाणित करने के लिए सामने आएं, तो मीडिया निश्चित रूप से इस मामले की व्याख्या और अपनी समीक्षा कर पाएगा। बेशक प्रोफेशन की व्यावसायिक जरूरतें, प्रबंधकीय दबाव तथा तकनीकी प्रसार के कारण मीडिया को अपना अर्थगणित व आर्थिक संतुलन बैठाना पड़ता है, लेकिन इसका यह भी अर्थ नहीं कि व्यवस्था के बीच मोहरों को नचाया जाए। एक अधिकारी की आवाज को न केवल मीडिया जगत को गंभीरता से लेना होगा, बल्कि सरकार को भी ऐसे पहलुओं से जुड़ी आशंकाओं का निवारण करना होगा।

या देवि सर्वभूतेषु शक्तिरुपेण संस्थिता...शक्ति की उपासना के नौ दिन

देवी दुर्गा से शक्ति और सिद्धि की कामना रखने वाले तरह-तरह के कठिन व्रत करते हैं। शक्ति की सिद्धि तभी श्रेष्ठ है जब वो आपके पास हमेशा रहे, समय पड़ने पर साथ दे और जिससे आपको यश मिले। शक्ति रावण के पास भी थी, शक्ति से सम्पन्न कंस भी था लेकिन ये जीवन के उस पल में उससे हाथ धो बैठे जिस वक्त इन्हें उसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता थी। क्योंकि ये अधर्म के पक्ष में थे। शक्ति कोई सम्पत्ति नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी है। जब आपको प्रकृति से कोई ताकत मिलती है, तो वो अकेले आप के लिए नहीं होती, उसमें परमात्मा का कोई संकेत होता है, जो कहता है आपको किनके लिए शक्ति मिली, किन लोगों की सेवा और सहायता के लिए चुना गया है। भले ही वो आपके नितांत निजी तप से मिली हो, लेकिन प्रकृति और परमात्मा ने शक्ति दी है तो वो सिर्फ आपके भोग के लिए नहीं है, उस पर सबका अधिकार है, क्योंकि ये दोनों भी सभी के हैं।

तीन बातों पर निर्भर करती है शक्ति की सिद्धि

शक्ति की सिद्धि तीन बातों पर निर्भर करती है, संयम, सत्य और सद्भाव। शक्ति उसी के साथ है जिसके जीवन में ये तीन भाव भीतर तक उतरे हुए हैं। पहला संयम, शक्ति उसी के पास संचित रहती है जो संयम से रहता हो, असंयमित लोगों की शक्ति उन्हें समय पूर्व छोड़ देती है। दूसरा सत्य, शक्ति सत्य के साथ रहती है। रामायण का युद्ध हो या महाभारत का कुरुक्षेत्र, शक्ति ने उसी का साथ दिया है जो सत्य के साथ था। असत्य के साथ देने वालों को शक्ति तत्काल छोड़ देती है। तीसरा सद्भाव, जब शक्ति आए तो विनम्रता और समानता का भाव जरूरी होता है, शक्ति का यश उसी को मिलता है जो विनम्र हो, लोगों के प्रति समान भाव रखे। भेदभाव करने वाले को कभी शक्ति से यश नहीं मिलता।

हमारे भीतर ही मौजूद है शक्ति

योग कहता है, शक्ति हमारे भीतर मौजूद है, जरूरत है जगाने की। इन नौ दिनों में शक्ति को जगाया जा सकता है। अगर हम इन नौ दिनों में अपने भीतर स्थित परमात्मा के अंश को रत्तीभर भी पहचान पाएं तो समझिए, नवरात्र सफल हैं। सारे नियम-कायदे, व्रत-उपवास, मंत्र-जाप, बस इसी के लिए हैं कि हम उसके दर्शन भीतर कर सकें, जिसे बाहर खोज रहे हैं। गीता में कृष्ण ने स्पष्ट कहा है, सबमें मेरा ही अंश है। फिर खोज बाहर क्यों, कोशिश करें कि इस नवरात्र मंदिरों के साथ थोड़ी यात्रा भीतर की भी हो। जब अपने अंतर में परमात्मा को देख सकेंगे, तो फिर बाहर चारों ओर उसे महसूस करेंगे। अगर हम जितना खुद के भीतर उतरेंगे, उतना परमात्मा को निकट पाएंगे। ये नवरात्र आपकी भीतरी यात्रा की शुरुआत हो सकती है।

जिद से नहीं, प्रेम से मांगिए

ये बहुत सुखद विरोधाभास है, मां जितनी कोमल होती हैं, उतनी ही कठोर भी होती हैं। सो, इस रिश्ते में प्रेम-सम्मान और अपनत्व की आवश्यकता सबसे अधिक है। भक्ति नि:स्वार्थ है तो मां भी प्रसन्न हैं। स्वार्थ से की गई साधना में अत्यधिक सावधानी रखनी होती है, क्योंकि ये एक अनुबंध की तरह होती है, मैं ये करूंगा तो आप मुझे ये सिद्धि देंगी। मामला जब अनुबंध का है तो सावधानी ज्यादा रखनी है। क्योंकि अनुबंध की शर्तें पूरी नहीं हुईं तो दंड भी भोगना पड़ सकता है। परमात्मा को कभी शर्तों में ना बांधें, वो व्यापारी नहीं है। उसे सिर्फ प्रेम से ही जीता जा सकता है। अगर मन सिर्फ मां के प्रेम में डूबा है, कोई सिद्धि की आकांक्षा नहीं है तो फिर कोई सावधानी भी नहीं है। दरअसल, मन में प्रेम, सेवा और सत्य का भाव होना ही सबसे बड़ी भक्ति है। लोग कहते हैं नवरात्र के व्रतों में कोई गलती हो जाए तो परिणाम भी भयंकर होते हैं। सोचने वाली बात है, क्या मां इतनी कठोर होती हैं? कभी नहीं। मां से ज्यादा कोमल तो कोई शब्द इस सृष्टि में बना ही नहीं है। फिर क्यों मां की साधना के नियम इतने कठोर हैं? कठोर नियम उनके लिए हैं जो हक से ज्यादा मांगना चाहते हैं। जब बच्चे को कोई चीज बिना मां की मर्जी के लेनी होती है तो वो जिद करता है। पूरे ब्रह्मांड में मां ही ऐसी शक्ति है जो बिना कहे जान जाती है कि बच्चे को क्या चाहिए। बशर्ते बच्चे के मन में वो निश्चल भाव हो, प्रेम हो और सत्य हो। ये तीन बातें आपके भीतर हैं तो मां से कुछ मांगने की जरूरत नहीं है, वो स्वयं आपको आवश्यकता ही हर चीज देंगी। मां से जो मांगना है, प्रेम से मांगिए, जिद किसी मां को अच्छी नहीं लगती।

ये नौ दिन हैं संकल्प के साथ तप शुरू करने के...

वास्तव में बिना तप शक्ति मिलना संभव नहीं है। अभ्यास के तप के बिना ज्ञान की शक्ति नहीं मिलती। व्रत पालन से हठयोग तक, कई रास्ते हैं जो शक्ति की सिद्धि तक ले जाते हैं। फिर भी हम कहीं चूक रहे हैं, कुछ ऐसा है जो भूल रहे हैं, कहीं कोई त्रुटि जरूर हो रही है, जो नवरात्रों की इतनी साधना के बाद भी शक्ति के दर्शन से हम कुछ कदम दूर रह जाते हैं।

वजह क्या है?

शायद संकल्प का अभाव। लोग नौ दिन तक सारे वो काम छोड़ देते हैं जो भक्ति में बुरे माने जाते हैं। नौ दिन मांसाहार बंद, शराब बंद ऐसी ही कई लतें, लेकिन दसवें दिन से सब शुरू। नौ दिन में जो कमाया, वो दसवें दिन गवाने की प्रक्रिया में जुट जाते हैं। सही मायनों में, नवरात्र के नौ दिन सिद्धि प्राप्ति से ज्यादा शक्ति को पाने की शुरुआत करने के हैं। ये नौ दिन प्रारंभिक प्रक्रिया है, संपूर्ण सिद्धि नौ दिन में नहीं मिल सकती। संकल्प लेना होगा, जो दुर्व्यसन इस नवरात्र में छोड़ेंगे, वो फिर कभी शुरू नहीं होंगे। ये नौ दिन तप को शुरू करने के हैं। मंत्र सिद्धि के हैं। इससे शुरुआत करनी है, ये नौ दिन तो भक्ति में डूबने के हैं। यहां अपने आप पर कई प्रतिबंध लगाकर देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता, अगर फिर से उन्हें शुरू ही करना है तो नौ दिन कुछ भी छोड़ना ढकोसला मात्र है।

नारी ही शक्ति है, बिना उसके सम्मान के कोई सिद्धि नहीं नवरात्र देवि की आराधना के लिए हैं। नारी स्वयं देवि है क्योंकि वो जन्म देती है। मंदिरों में दर्शन से गरबों में आराधना तक, अगर नारी के लिए मन में अच्छे भाव नहीं हैं तो नवरात्र साधना कठिन नियमों के पालन के बावजूद भी बेकार है। शास्त्र कहते हैं.....

विद्याः समस्तास्तव देवि भेदाः, स्त्रियः समस्ताः सकला जगत्सु।

त्वयैकया पूरितमम्बयैतत, का ते स्तुतिः स्तव्यपरापरोक्तिः।।

अर्थ -जगत् की सम्पूर्ण विद्या (परा, अपरा व चतुर्दश) भगवती शक्ति के ही भेद हैं और सम्पूर्ण स्त्रियां भी उसी का अंग हैं।

शिव अगर प्रथम पुरुष हैं तो देवि प्रकृति हैं। पुरुष और प्रकृति ने ही सारी सृष्टि की रचना की है। इसलिए, शक्ति को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो महिलाओं के लिए मन से हीन और खेदजनक भावनाएं निकाल दें। तभी देवी की कृपा मिल सकती है। अन्यथा देवी के लिए किया कोई भी अन्य जतन उन्हें प्रसन्न नहीं कर सकता, अगर नारी जाति का सम्मान नहीं किया गया।

किट वितरण के दौरान 6 महिलाएं घायल
सैकड़ों की संख्या में इकट्ठा होने से मची भगदड़

भंडारा-श्रमिक विभाग सुरक्षा किट वितरण के दौरान महिला मजदूरों की भगदड़ में करीब 6 महिलाओं के घायल होने की खबर है. जिन्हें भंडारा जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जिले में मोहाड़ी और भंडारा तहसील में श्रमिक विभाग द्वारा पंजियनकृत निर्माण मजदूरों को सुरक्षा किट का वितरण किया जा रहा है. शहर के राष्टीय राजमार्ग 53 पर अग्रसेन भवन में महिला मजदूरों को सुरक्षा किट वितरण के दौरान सोमवार को सैकड़ों महिलाएं एकत्रित हुई थीं. जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई महिलाएं घायल हो गईं. शहर में अग्रसेन भवन, सचिन लॉन बेला, मां भवानी लॉन स्टेशन रोड में ठेकेदार द्वारा यह किट वितरित की जा रही है वहीं मोहाड़ी के परमात्मा एक सभागृह में किट वितरण किया जा रहा है. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ईश्वर कातकड़े ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पेटी वितरण के लिए महिलाओं ने रात 2 बजे से ही अग्रेसन भवन में जमा होना शुरू कर दिया था. जब सुबह पेटी का वितरण शुरू हुआ, तो महिलाओं ने अचानक धक्का मुक्की करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश की, जिससे भगदड़ मच गई. हालांकि, कातखेडे ने यह स्पष्ट किया कि इस दौरान पुलिस की ओर से लाठीचार्ज की खबरें असत्य हैं. मौके पर एक ही पुलिस कर्मी उपस्थित होने से भीड़ को दराने के लिए लाठी हवा में लहराई जरूर गई है लेकिन लाठी से बलप्रयोग नहीं किया गया.

गंभीर रूप से घायल हुई महिलाएं

इस भगदड़ में छह महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें तुरंत भंडारा जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया. अन्य कई महिलाओं को भी मामूली चोटें आईं. फिलहाल, सभी घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी ऱ्है. घटना की खबर मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच बिना किसी बलप्रयोग से भीड़ पर काबू किया और स्थिति पर प्रशासन की नजर बनी हुई है.

विश्व रेबीज दिवस पर श्वानों को दिए इंजेक्शन

तिरोड़ा-विश्व रेबीज दिवस पर तहसील के सभी पशुवैद्यकीय अस्पतालों में रेबीज रोग से बचाव, उपचार व उपाय योजना संबंध की जानकारी दिए जाने के लिए रेबीज टीकाकरण शिविर आयोजित किए गए थे. शिविर में तिरोड़ा अस्पताल में 105, अर्जुनी 32, परसवाड़ा 38, सोनेगांव 20, वडेगांव 41, कोयलारी 17, इंदोरा 32, मांडवी 31, विहिरगांव 25, केसलवाड़ा 27 ऐसे कुल 368 श्वानों को रेबीज टीकाकरण दिए गए. अब फिर से इन्हें 15 दिन के बाद बुस्टर डोज लगाए जाएंगे. सफलतार्थ तहसील के पशुसंवर्धन अधिकारी डा. प्रकाश गंगापारी की प्रमुखता में डा. राजेश मदिंगे, डा. रेणुका शेंडे, डा. विवेक गजरे, डा. पियुष ठवकर, डा. सौरभ कावले, गणेश मलेवार, ऋषिकेश टेंभरे, नितू शहारे, ज्योति खोडेकर, अमित रंगारी सहित सभी कर्मचारियों ने प्रयास किया.

साइकिल चलाओ, पर्यावरण बचाओ, निकाली साइकिल रैली

गोंदिया-राज्य में 1 से 7 अक्टूबर तक वन्यजीव प्राणी सप्ताह मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में गोंदिया जिले में वन विभाग, संडे साइकिलिंग ग्रुप, सेवा संस्था, हिरवळ संस्था, सारस संरक्षण समिति जैसी विविध सामाजिक संस्थाओं द्वारा वन्यजीवों के संरक्षण के लिए गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में राष्टपिता महात्मा गांधी की वेशभूषा में गोंदिया के 83 वर्षीय धावक मुन्नालाल यादव आकर्षण का केंद्र बने हुए थे। गोंदिया जिला वन्य प्राणियों के साथ ही अनेक प्रकार की जैविक वनस्पतियों से समृद्ध वनों से आच्छादित है। जिसके कारण जिले की जैविक वनस्पतियों एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए जनजागृति करने हेतु इस सप्ताह का आयोजन किया जाता है। विविध कार्यक्रमों के माध्यम से आम नागरिकों में जनजागृति कर वन्य प्राणियों एवं जैविक वनस्पतियों का महत्व बताकर उनकी रक्षा करने का आव्हान किया जाता है। पर्यावरण का संरक्षण किस तरह किया जाए? उसी प्रकार अपने शरीर को किस तरह सुदृढ़ रखा जा सकता है? इसका सामाजिक संदेश भी आज निकाली गई रैली के माध्यम से आम नागरिकों को दिया गया। गोंदिया शहर में साइकिल रैली में शामिल युवक-युवतियां साइकिल चलाओं पर्यावरण बचाओ, पेड़ लगाओ- वन्यजीव बचाओ के नारे लगा रहे थे। रैली में बड़ी संख्या में वन विभाग के कर्मचारियों के साथ ही साइकिलिंग संडे एवं विविध सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर गोंदिया के उपवन संरक्षक प्रमोद पंचभाई, सारस संवर्धन समिति के सदस्य एवं सेवा संस्था के अध्यक्ष सावन बहेकार, साइकिलिंग संडे ग्रुप के सचिव रवि सपाटे, सहायक वन संरक्षक सचिन डोंगरवार, गोंदिया के वन परिक्षेत्र अधिकारी दिलीप कौशिक, भगीरथ जीवानी, उदय निर्वाण, हिरवळ संस्था के रुपेश निंबार्ते, शशांक लाडेकर, अभिजीत परिहार, दुष्यंत आकरे, गौरव मटाले, टीनू लाडेकर, संडे साइकिलिंग ग्रुप के निखिल बहेकार, जितेंद्र खरवड़े, दीपक गाड़ेकर, अरुण बन्नाटे, मुन्नालाल यादव, नरेंद्र बेलगे, कृष्णा शेंडे, शुभम भिमटे, दीपाली वाढई, आशा तिड़के, श्रद्धा यादव, वैशाली भांडारकर, त्रिवेणी उइके, भावना शेंडे, गार्गी रहांगडाले सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

डेढ़ वर्षों से डीपी रोड बनाने की हो रही मांग-जनता द्वारा किया जा रहा संघर्ष

गोंदिया-प्रभाग क्र. 11 टीबीटोली गोंदिया के समस्त नागरिकों द्वारा डीपी रोड निर्माण के लिए पिछले डेढ़ वर्षों से अरमान जैसवाल के नेतृत्व में मांग की जा रही थी. जिसमें कुछ जगह किए गए अतिक्रमण को हटाने की भी प्रक्रिया कानूनी रूप से पूर्ण की गई थी. लेकिन राजनीतिक दबाव की वजह से नगरपालिका की अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम को वापस जाना पड़ा था. इस बात का आक्रोश उस क्षेत्र के तकरीबन 15-20 हजार निवासी लोगों में था. इसका हल निकालने के लिए डीपी रोड संघर्ष समिति ने 29 सितंबर को शाम 7 बजे साई मंदिर टीबीटोली परिसर में क्षेत्र के जनता का चर्चा सत्र रखा गया. जिसमें गणमान्य नागरिकों ने अपनी-अपनी समस्या और समाधान के लिए विचार रखे. इस सभा में जिस जगह से डीपी रोड जा रहा है. उस जमीन के भूधारक प्रफुल अग्रवाल, बलीराम वनवे, पुष्पा अशोक बोरकर, कलादेवी अंबुले, बावनकर आदि ने भी अपनी जमीन डीपी रोड बनाने के लिए देने की बात कही और नगरपालिका द्वारा जल्द से जल्द जमीन अधिग्रहण कर उसका उचित मुआवजा भूमिधारकों को दे, यह बात सभा के द्वारा प्रशासन के आगे रखी गई. उपस्थित जन सभा ने सामूहिक निर्णय किया है कि अगर डीपी रोड का अतिक्रमण दो तीन दिनों में नहीं हटाया जाता है और रोड का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जाता है तो आने वाले विधानसभा चुनाव का क्षेत्र की जनता सामूहिक बहिष्कार कर सकती हैं।

अतिक्रमण हटाने का दिया आश्वासन

इस सभा में प्रफुल अग्रवाल ने पिछले दिनों परिक्षेत्र में स्वयं तीन से चार बार भ्रमण कर परिक्षेत्र के लोगों की मांग व आवश्यकता का अवलोकन किया व अपनी जमीन से डीपी रोड का निर्माण करने की अनुमति की घोषणा की और जो जगह सरकार की है, उसमें निर्माण के लिए सरकारी अनुदान का वर्क ऑर्डर भी दिलवा दिया.

साथ ही उन्होंने नगरपालिका के सीओ से बात कर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की भी बात की. जिसका सीओ ने अपनी सहमति दर्शाते हुए कल से ही अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया. इसके लिए उपस्थित जनता ने प्रफुल अग्रवाल का धन्यवाद भी किया. इस चर्चा सभा में प्रमुख रूप से हेमंत जैसवाल, अमर वराडे, अमर राहुल, आनंद अग्रवाल, गुलाब पठान, सीतारमन गुप्ता, स्वामी, प्रदीप चामट, उदयप्रताप गजघाट, मनीष जैसवाल, नूतन रहांगडाले और तकरीबन क्षेत्र की तकरीबन 1500 नागरिक उपस्थित थे.

राष्ट्रीय लोक अदालत में 4314 प्रकरणों का हुआ निपटारा
लोक न्यायालय का लाभ उठाएं : न्या. आव्हाड़

सड़क अर्जुनी-आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जल्द न्याय के लिए राष्ट्रीय लोक न्यायालय एक बहुत अच्छा विकल्प है और इसमें लोगों के अदालती मामलों में कोई अपील नहीं होती और न ही कोई कोर्ट फीस लगती है। अत: यह एक चुनौती है कि अधिक से अधिक नागरिक इसका लाभ उठायें और जीवन का सही अर्थ खोजें ऐसा आव्हान न्यायाधीश डा. विक्रम आव्हाड़ ने किया।28 सितंबर को मुंबई उच्च न्यायालय और महाराष्ट्र राज्य विधि सेवा प्राधिकरण के आदेश पर तहसील विधि सेवा समिति सड़क अर्जुनी और वकील संघ के सहयोग से सड़क अर्जुनी न्यायालय में तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। दीवानी और फौजदारी के लंबित और पहले से दायर मामले अदालत में रखे गए। इस लोक अदालत में कुल 4314 लंबित एवं पूर्व दायर मामलों का निपटारा मध्यस्थता के माध्यम से किया गया। विधि सेवा समिति अध्यक्ष एवं सिविल न्यायाधीश डा. विक्रम आव्हाड की सहमति से एक वरिष्ठ नागरिक के हाथों किया गया। इस कार्यक्रम में सहायक सरकारी अभियोक्ता ओ.एस. गहाने, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एडवोकेट. डी. एस. बंसोड़, एड. एस. बी. गिरेपुंजे, एड. ए. एस. राऊत, एड. वी. डी. रहांगडाले, एड. शंभरकर, एड. रामटेके एवं सिविल न्यायालय के समस्त कर्मचारी, पंचायत समिति अधिकारी, कर्मचारी, बैंक कर्मचारी, एम. एस. ई. बी. के कर्मचारी, ग्राम सेवक, पार्टी सदस्य एवं पी. एल. वी. मौजे उपस्थित थे। मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश ए. टी. वानखेड़े, जिला विधि सेवा समिति सचिव एन. के. वाल्के के मार्गदर्शन में कुल 67 लंबित आपराधिक एवं दीवानी मामलों का निपटारा मध्यस्थता के माध्यम से किया गया। साथ ही पूर्व दर्ज 4247 मामलों का निपटारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए न्यायालय कर्मचारी, वकील संघ, पंचायत समिति कर्मचारी, ग्राम सेवक, बैंक कर्मचारी, एम. एम. ई. बी. के कर्मचारियों के साथ-साथ न्यायिक पी. एल वी. मौजे ने सहयोग किया।

1057 लाभार्थियों ने शिविर का उठाया लाभ व कराई स्वास्थ्य जांच
नि:शुल्क महास्वास्थ्य निदान शिविर संपन्न

गोंदिया-जिला पुलिस विभाग की ओर से पुलिस दादालोरा खिड़की योजना के माध्यम से विभिन्न कल्याणकारी नवीन गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है. जिसके अनुसार जिला पुलिस बल, ट्रायबल वेलफेयर कमेटी, रोटरी डिस्ट्रक्ट के आयोजक शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, वानाडोंगरी नागपुर, रोटरी क्लब ऑफ नागपुर डाउन टाउन, जीवन आधार सामाजिक संस्था और माऊली मित्र मंडल नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में पुलिस मुख्यालय में नि:शुल्क महास्वास्थ्य रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया था. पुलिस विभाग की ओर से नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोगों के कल्याण के लिए दादालोरा एक खिड़की योजना के तहत कई गतिविधियां और शिविर संचालित कर ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया जा रहा है. साथ ही पुलिस अधीक्षक भामरे की संकल्पना से अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा के मार्गदर्शन में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासी भाईयों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है. इस बीच पुलिस मुख्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रमोद मडामे, राजीव वरभे, जीवन जवंजाल, प्रतीक्षा मायी, डा. अश्विन रकड़े, सुहास खरे आदि उपस्थित थे. इस दौरान 1057 लाभार्थियों ने शिविर का लाभ उठाया और स्वास्थ्य जांच कराई. उल्लेखनीय है कि इस स्वास्थ्य शिविर में पुलिस विभाग की ओर से नक्सल प्रभावित क्षेत्र के आदिवासियों के आने-जाने की व्यवस्था की गई थी. सफलतार्थ पुलिस निरीक्षक रमेश चाकाटे, पुलिस उपनिरीक्षक रोशन उइके, मुस्तफा सरवर, लियोनार्ड मार्टिन, मंगला प्रधान, राज वैद्य, भास्कर हरिणखेडे ने प्रयास किया.

269 मरीजों को भेजा नागपुर

पिछले दो वर्षों से सभी सशस्त्र बलों के लिए दादालोरा खिड़की योजना के तहत कई गतिविधियां और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं. इस बीच ऑपरेशन रोशनी के तहत मोतीबिंदू के करीब 300 नागरिकों का ऑपरेशन किया गया.

इस दौरान पुलिस मुख्यालय में आयोजित महास्वास्थ्य रोग निदान शिविर में स्त्री रोग, अस्थि रोग, नेत्र रोग, बाल रोग, दंत चिकित्सा, कान-नाक-गला, न्यूरोसर्जन, किडनी रोग, हृदय रोग आदि विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और नि:शुल्क दवा वितरित की. साथ ही डाक्टर की सलाह के अनुसार 269 मरीजों को डाक्टर द्वारा आगे के उपचार के लिए डा. शालिनी मेघे हॉस्पिटल नागपुर शिफ्ट किया गया. जहां मरीजों का नि:शुल्क इलाज किया जाएगा.

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी-अमलदार विदाई समारोह का हुआ आयोजन

गोंदिया-पुलिस अधीक्षक कार्यालय गोंदिया के सम्मेलन कक्ष में 1सितम्बर 24 में गोंदिया जिले के स्थापना आयु पर सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी- 1) संतोष हरिहर पाठक, 2) निरंजन विठोबा भगत की विदाई के तौर पर एक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सेवानिवृत्त हुए लोगों को पुलीस अधीक्षक गोंदिया मा. श्री. गोरख भामरे, के शुभ हस्ते उन्हें शॉल, फल, पौधा, सेवानिवृत्त प्रमाण पत्र, पहचान पत्र, ग्रीटिंग कार्ड, स्मृति चिन्ह, उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें भावी जीवन की यात्रा के लिए शुभकामनाएं भी दीं।पुलिस अधीक्षक गोंदिया मान. श्री। गोरख भामरे, साथ ही प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक (गृह) श्रीमती नंदिनी चानपुरकर, साथ ही सेवानिवृत्त पुलिस

अधिकारी/कर्मचारियों के परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उप पुलिस अधीक्षक (गृह) श्रीमती नंदिनी चानपुरकर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण शाखा से श्रीमती नंदिनी चानपुरकर, पो ह वा राजू डोंगरे, राजू वैद्य ने सहयोग किया

रेलवे पार्किंग यार्ड में सफाई अभियान
लोगों को जागृत कर शहर में चलाई मुहिम

गोंदिया-हर साल की तरह इस साल भी 2 अक्टूबर को रेलवे पार्किंग यार्ड में योगा करने के पश्चात पूरे परिसर में सफाई अभियान चलाया गया और लोगों को जागृत किया गया. कई संस्थाओं ने यह मुहिम पूरे शहर में चलाई. इस अवसर पर बलवान योगा गुरु राजेश वलेछा, योगेश डोडवानी, लक्ष्मण लधानी, हरीश गुलानी, अमर इमलाह, अर्जुन शिवलानी, घनश्याम बजाज, मनोहर थावरानी, अशोक संगतानी, खेमराज गड़े, मधु गुप्ता, मीना लधानी, इमलाह और भी कई बलवान मित्र सफाई अभियान में शामिल हुए.

15 वर्षीय क्रिकेट नि:शुल्क सिलेक्शन 6 अक्टूबर को

गोंदिया- विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन नागपुर द्वारा आयोजित गोंदिया जिले में शहरी व ग्रामीण विभाग में सभी स्कूल के प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ियों की खोज व उनके खेल में विकास करने के लिए वीसीए क्रिकेट सिलेक्शन ट्रायल लेने वाली है. इसमें स्कूल के 15 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ी लड़के व लड़कियां नि:शुल्क भाग ले सकेंगे. वीसीए के सिलेक्टर्स द्वारा नि:शुल्क सिलेक्शन लिया जाएगा. पंद्रह वर्ष से कम उम्र के लड़के व लड़कियों के लिए 1/09/2009 के बाद जन्मे 31/08/2011 से पहले जन्मे खिलाड़ी सिर्फ तेरह से पंद्रह वर्ष के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे. सभी भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी बोनाफाईड सर्टिफिकेट व आधार कार्ड के साथ सफेद युनिफार्म में मैदान पर समय पर उपस्थित रहे. इसके अंतर्गत गोंदिया जिले की 15 वर्षीय क्रिकेट टिम का चयन किया जाएगा. जो की विदर्भ अंतरजिला राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी. अधिक जानकारी के लिए मुकेश बाराई, अजय गौर, पुष्पक जसानी, शिखा पिपलेवार, राजेश चौरसिया, राजु लिमये, नियाज शेख, अमोल, उरकुडे, कुणाल तांडेकर व सभी स्कूल शिक्षक व प्राचार्य से संपर्क किया जा सकता है.

128 सफाई मित्रों ने कराई स्वास्थ्य जांच -78 ईसीजी जांच और 84 लोगों का रक्त परीक्षण

गोंदिया-केंद्र व राज्य सरकार के दिशा-निर्देशानुसार जिला परिषद की ओर से जिले में स्वच्छता ही सेवा-2024 के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान चलाया गया. जिप सीईओ मुरुगानंथम के मार्गदर्शन में सभी विभाग में अधिकारी व कर्मचारियों के श्रमदान से स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है. उसी के तहत जिप सीईओ मुरुगानंथम की संकल्पना से जिले में सफाई कर्मचारी, सफाई मित्र, स्वच्छकों की स्वास्थ्य जांच के लिए रोग निदान शिविर आयोजित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था. सफाई कर्मचारी सभी कार्यालयों और परिसरों को साफ-सुथरा रखने में अहम भूमिका निभाते हैं. सफाई के दौरान उन्हें कई तरह की बीमारियां होने की आशंका रहती है. मुरुगानंथम ने बताया कि उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. महालैब की ओर से ईसीजी जांच की गई. गोंदिया तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डा. निरंजन अग्रवाल ने बताया कि 128 सफाई मित्रों की जांच की गई, 78 ईसीजी परीक्षण और 84 लोगों

के रक्त परीक्षण किए गए. सभी विभागों को सफाई कर्मचारियों के नियमित निरीक्षण के साथ साथ निरीक्षण के रिकॉर्ड दर्ज करने और मरीजों को आगे के इलाज के लिए रेफरल सेवा प्रदान करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए. अर्ध-सरकारी कार्यालयों की तरह सभी स्थानों पर सफाई कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं. सफाई कर्मचारियों/सफाई मित्रों/सफाई कर्मियों/परिचारकों के माध्यम से जिला परिषद में स्कूल, आंगनवाड़ी, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, गैर-सरकारी संगठन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप- केंद्रों में सफाई कार्य नियमित रूप से होते है. ऐसे सभी लोगों की जांच स्वास्थ्य शिविर से कराने का निर्देश दिया गया था. चिकित्सा टीम द्वारा मार्गदर्शन पंचायत समिति कार्यालय के सभागृह में स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सा टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच व निदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य जांच, मुख परीक्षण, नशा मुक्ति, मधुमेह, रक्तचाप पर मार्गदर्शन दिया गया. शिविर में जिप सीईओ मुरुगानंथम, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. नितिन वानखेड़े, गोंदिया तहसील खंड विकास अधिकारी आनंदराव पिंगले, डा. निरंजन अग्रवाल उपस्थित थे और स्वास्थ्य जांच में सफाई मित्रों का मार्गदर्शन किया गया. स्वास्थ्य जांच शिविर में फुलचूर की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डा. सोनाली गौतम, कटंगीकला की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डा. सरिता ठाकुर, सावरी के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डा. सीतेश वर्मा और महालैब के जिला समन्वयक अविनाश शहारे ने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की. सफलतार्थ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रावणवाड़ी और खमारी के स्वास्थ्य कर्मचारी, स्वास्थ्य सेवक, स्वास्थ्य सेविका और आशा सेविकाओं ने प्रयास किया.

स्तन कैंसर पर नि :शुल्क परामर्श शिविर

गोंदिया -बालाजी फाउंडेशन के माध्यम में रामनगर में 1 से 30 अक्तूबर तक स्तन कैंसर पर नि:शुल्क विशेष परामर्श का आयोजन किया गया है. इस शिविर में महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. आशा अग्रवाल, डॉ. सायस केंद्रे, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. सुप्रिया बोरकर व डॉ.नितेश बाजपेयी अपनी सेवा देंगे. यह परामर्श सोमवार से शुक्रवार दोपहर 1 से 3 के बीच में नि:शुल्क दिया जाएगा. डॉ. बाजपेयी ने बताया कि स्तन कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसमें सामान्य स्तन कोशिकाएं अनियंत्रित रुप से बढ़ती हैं और ट्यूमर का निर्माण करती हैं. अगर इसे अनियंत्रित छोड़ दिया जाए तो ट्यूमर पूरे शरीर में फैल सकता है और जानलेवा हो सकता है. स्तन कैंसर की कोशिकाएं दूध नलिकाओं के लोब्यूल्स के अंदर से शुरु होती हैं. ऐसा देखा गया है कि पश्चिम की तुलना में भारतीय महिलाओं में कम उम्र में इस बीमारी का अनुपात अधिक है. इस शिविर के लिए एड. योगेश अग्रवाल बापू का सहयोग मिल रहा है. शिविर का लाभ लेने का आह्वान फाउंडेशन की लीगल एडवाइजर कल्याणी बाजपेयी, सविता ठाकरे, अनीता नागपुरे, अतुल बिसेन, मिस्ठी बाजपेयी, नीलू राऊत, सत्यम बाजपेयी, रोशनी टेंभरे, मनीषा बिसेन ने किया है.

मांगों को लेकर 45 दिन से शुरू है शिक्षकों का अनशन
अनुदान को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाए

सालेकसा -विद्यार्थियों को शिक्षा देने वाले शिक्षकों को सरकार की उपेक्षा और अनुचित भूमिका के कारण आंदोलन करना पड़ रहा है। अनुदान को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाने की मांग को लेकर राज्य भर के शिक्षक पिछले 45 दिनों से मुंबई के आजाद मैदान में अनशन पर बैठे हैं। इसलिए शिक्षक कृति समिति की ओर से सांसद प्रफुल पटेल को सौंपे गए निवेदन में समस्या का हल निकालने की मांग की गई है। पिछले 45 दिनों से राज्य भर के शिक्षक अपने अनुदान स्तर में वृद्धि के लिए मुंबई में आंदोलन कर रहे हैं। सरकार की ओर से जारी जी.आर. के मुताबिक यह घोषणा की गई है कि अनुदान हर साल बढ़ोतरी के हिसाब से दिया जाएगा। जी. आर. निकालने के बाद भी शिक्षकों को बढ़ा हुआ अनुदान नहीं मिला। इससे शिक्षकों में नाराजगी देखी जा रही है। इसके लिए आंदोलन शुरू किया गया है। इस बीच गोंदिया शिक्षक कृति समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद प्रफुल पटेल से भेंट की और उन्हें समस्या बताई। 29 सितंबर 2024 को इस बैठक में गोंदिया जिले के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों ने पटेल के माध्यम से अजित पवार से मांग की है कि वे वृद्धि अनुदान फाइल पर हस्ताक्षर करें और 45 दिनों से मुंबई के आजाद मैदान में विरोध प्रदर्शन कर रहे 65000 शिक्षकों को न्याय दें। इस अवसर पर गोंदिया शिक्षक कृति समिति के प्रा. डी.सी. कटरे, प्रा. पटले, प्रा. माहुले, प्रा. पोंगले, प्रा. मेहर, प्रा. आर. एन. शेंडे सहित शिक्षक उपस्थित थे।

विधायक अग्रवाल के हस्ते उमरी में 4 करोड़ 82 लाख के विकास कार्यो का लोकार्पण-भूमिपूजन

गोंदिया-अपने जनकार्य करने की शैली से पांच सालों में गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के हर नागरिकों पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले जनता के आमदार इन दिनों कर्तव्यपूर्ती जनआशीर्वाद यात्रा के तहत अबतक किए गए कार्यो को लेकर जनता की अदालत में गांव-गांव पहुंच रहे है और जनता से उनके कार्यो का मूल्यांकन करने की अपील कर रहे है. जनता के आमदार की इस कर्तव्यपूर्ती यात्रा में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है. अनेक बहने, महिलाएं, युवासाथी और नागरिक विधायक विनोद अग्रवाल के नेतृत्व में चाबी संगठन में प्रवेश कर उसका दामन थाम रहे है. ग्राम उमरी में विधायक विनोद अग्रवाल के हस्ते 4 करोड़ 82 लाख रु. के विविध विकास कार्यो का एकसाथ लोकार्पण व भूमिपूजन किया गया. इस दौरान विधायक अग्रवाल ने कहा, विकास कार्यो का भूमिपूजन करना मेरा उद्देश्य नहीं है, मेरा संकल्प है कि क्षेत्र की तस्वीर बदलना चाहिए और उसी पर मेरे कार्य निरंतर जारी है. जनता के आमदार ने कहा, आज एक एक गांव में इतने काम हो चुके है जिसकी कल्पना भी पिछले आमदार ने 27 साल में नही किया होगा. ये बात मैं दावे के साथ इसलिए बोल सकता हूं, क्योंकि हर गांव में हो रहे कार्यो से नागरिकों में संतुष्टि दिखाई दे रही है. अभी और बहोत कुछ करना बाकी है. हम ये नही कह सकते कि समस्याएं खत्म हो गई. मेरी कोशिश निरंतर जारी रहेगी कि मैं नागरिकों को, युवाओं को, बहनों को और अन्नदाताओं के लिए और क्या बेहतर कर सकता हूं. सड़क, जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, राशन जैसी व्यवस्थाओं के साथ ही हमनें रोजगार, महिला भवन, कृषि गोदाम, निराधार योजना, लाडली योजना,

वाचनालय, दिव्यांगों को लाभ, अनेकों शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया. कोरोना जैसे संकट काल मे जितनी हो सकें उतनी सेवा देने का कार्य किया. अब इन कार्यो को लेकर मैं आज जनता की अदालत में खड़ा हूं. मेरे कार्यो का मूल्यांकन अब जनता को करना है. इस अवसर पर पंस सभापति मुनेश रहांगडाले, कृउबास सभापति भाऊराव उके, चाबी संगठन तहसील अध्यक्ष छत्रपाल तुरकर, कृउबास सभापति भाऊराव उके, चाबी संगठन तहसील अध्यक्ष छत्रपाल तुरकर, राजू कटरे, विक्की बघेले, अजित टेंभरे, ज्ञानचंद जमइवार, कैलाश खोब्रागडे, दयन मस्से, पुष्पा कोल्हे, शारदा मस्से, मीना बागड़े, राजेंद्र मस्से, छोटेलाल उईके, प्रफुल ऊके, शिवचरण मस्से, संतोष सहारे, थानसिंह तुरकर, जितेंद्र मस्से, सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, ग्रामवासियों की उपस्थिति रही.

पार्टी में कार्यकर्ता जोश व उत्साह बनाए रखें मैं हमेशा उनके साथ- सांसद प्रफुल्ल पटेल

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर व तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सभा का आयोजन एन.एम.डी कॉलेज के सभागृह में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन सांसद प्रफुल्ल पटेल द्वारा करते हुए अपने संबोधन में कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में महायुति में समन्वय बनाकर कार्य करें तथा कार्यकर्ता पार्टी में जोश वह उत्साह बनाए रखें निराशा से पक्ष आगे जाता नहीं तथा मैं हमेशा उनके साथ हूँ।

आगे उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अपने संपूर्ण राजनैतिक जीवन में गोंदिया व भंडारा जिले की जिम्मेदारी को संभालते हुए सामाजिक मुद्दों का समाधान किया है, तथा क्षेत्र के नागरिकों का उत्साह व विश्वसनीयता को देखते हुए उमंग वह उत्साह बरकरार रखें। आगामी विधानसभा चुनाव में महायुती के उम्मीदवार का चयन समन्वय से होगा तथा हम सत्ता में है और सत्ता में रहेंगे विपक्ष द्वारा फैलाये गए भ्रम में कार्यकर्ता ना आए। राष्ट्रवादी पार्टी ने फुले, साहू,आंबेडकर विचारधारा को नहीं छोड़ा है ,हमने अपनी माता बहनों को स्वालंबी वह आत्मनिर्भर बनाने के लिए लाडली बहन योजना, किसानों के लिए निशुल्क बिजली फसल पर बोनस जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं चलाने का कार्य किया है।

राजेंद्र जैन को गोंदिया विधानसभा से मिले टिकट कार्यकर्ताओं की मांग

गोंदिया शहर व तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सभा में कार्यकर्ताओं द्वारा गोंदिया विधानसभा के आगामी चुनाव के लिए महायुति के अंतर्गत गोंदिया विधानसभा की सीट राष्ट्रवादी कांग्रेस को मिले वह अनुभवी वह वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक राजेंद्र जैन को उम्मीदवारी दी जाए जिससे राष्ट्रवादी के उम्मीदवार की भारी मतों से चुनाव जीत होंगी। कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी यह भावना सांसद प्रफुल्ल पटेल तक पहुंच कर उन्हें अवगत कराकर मांग की है जिस पर संसद प्रफुल्ल पटेल द्वारा आगामी कुछ दिनों में गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार जिले के सभी उम्मीदवारों का चयन महायुती मैं समन्वय किये जाने की जानकारी दी।

आयोजित सभा प्रमुख रूप से राजेंद्र जैन, प्रेम रहांगडाले, नरेश माहेश्वरी, विनोद हरिणखेडे, राजलक्ष्मी तुरकर, सुरेश हर्षे, जनकराज गुप्ता, हुकूम अग्रवाल, बाळकृष्ण पटले, कुंदन कटारे, पूजा अखिलेश सेठ, केतन तुरकर, गणेश बरडे, रफिक खान, योगेंद्र भगत, रवीकुमार पटले, नानू , माधुरी नासरे, जगदीश बहेकार, अशोक सहारे, चुन्नीलाल बेंद्रे, नीरज उपवंशी, अश्विनी पटले, सरला चिखलोंडे, राजेश जमरे, शिवलाल जमरे, शंकरलाल टेम्भरे, अहमद भाई, आशा पाटील, कीर्ती पटले, बिरजू भेलावे, खालिदभाई पठाण, सुनील भालेराव, सचिन शेंडे, भगत ठकरानी, घनश्याम मस्करे, प्रिया हरिणखेडे, किरण पारधी, मनोज डोंगरे, रमेश गौतम, सविता मुदलियार, कुंदा पंचबुद्धे, मालती कापसे, विनीत सहारे, विनोद पंधरे, विजय रगडे, पिंटू बनकर, अनुज जायस्वाल, नितिन टेम्भरे, करण टेकाम, निशिकांत बन्सोड, छोटू पंचबुद्धे, श्याम चौरे, सुनील पटले, शैलेश वासनिक, सहित गोंदिया ग्रामीण व शहर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विधायक विनोद अग्रवाल ने बौद्ध समाज को अर्पित किया डेढ़ करोड़ की लागत का सुसज्ज बौद्ध विहार

भंतेजी की उपस्थिति में सविता विनोद अग्रवाल, के हस्ते संपन्न हुआ समता बुद्ध विहार का लोकापर्ण एवं तथागत गौतमबुद्ध प्रतिमा का अनावरण

गोंदिया-क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयत्नों से शहर के आंबेडकर वार्ड स्थित समता बुद्ध विहार परिसर में करीब डेढ़ करोड़ की लागत से नवनिर्मित बुद्ध विहार आज बौद्धसमाज को अर्पित कर तथागत भगवान बुद्ध के संदेश को आत्मसात करने का आशिर्वाद प्राप्त किया। आधुनिक, भव्य, सुसज्ज नवनिर्मित बुद्ध समता विहार एवं तथागत गौतमबुद्ध प्रतिमा का अनावरण भंतेजी की उपस्थिति में बुद्ध वंदना के साथ विधायक पत्नी सविता अग्रवाल के हस्ते मान्यवरों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस लोकार्पण एवं अनावरण कार्यक्रम में विधायक पत्नी सविता अग्रवाल ने भगवान गौतमबुद्ध के चरणों में साष्टांग प्रणाम किया वही डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के चरणों में श्रद्धा के फूल अर्पित किये। लोकार्पण व अनावरण समारोह में मंच पर महाथेरो डॉ. तिस्सवंश भंतेजी, थेरो धम्मशिखर भंतेजी, थेरो अमरज्योति भंते जी के साथ ही विधायक पत्नी सविता अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि रोहित अग्रवाल, पूर्व पार्षद घनश्याम पानतवने, जयंती उत्सव समिति अध्यक्ष अमित भालेराव, अशोक बेलेकर, मधु बंसोड़, राजेश वासनिक, डॉ. गोकुलाताई भालेराव, सारिकाताई पानतवने, एमएमटी अध्यक्ष असलम भाई आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विधायक विनोद अग्रवाल की अनुपस्थिति में प्रतिनिधि के तौर पर रोहीत अग्रवाल ने विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा किये जा रहे कार्यो की जानकारी उपस्थित समाज बंधुओं के बीच रखी।

रोहित अग्रवाल ने कहा, क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल तथागत भगवान गौतमबुद्ध के संदेशों को आत्मसात कर डॉ. बाबासाहेब के सिद्धांत समता, बंधुता व न्याय पर चलकर प्रत्येक समाज के उत्थान पर कार्य करने का प्रयास कर रहे है। बौद्ध समाज के विकास के लिए वे सदैव प्रयत्नशील रहे है। समाज बंधुओं के लिए सुविधाजनक, सुसज्ज बुद्ध वंदना स्थल का निर्माण हो इस हेतु सतत प्रयास कर शासन से 1 करोड़ 25 लाख रुपये की निधि मंजूर करायी एवं दो साल में इसे पूरा कर समाज को अर्पित करने का कार्य किया गया है। रोहित अग्रवाल ने कहा, समाज के लोगो को अन्य जगहों पर भी कैसे सुविधाजनक प्रार्थना स्थल प्राप्त हो इसके लिए भी प्रयास कर सूर्याटोला में बुद्ध विहार का सौंदर्य करण, लुंबिनी चौक, पंचशील चौक, पैकन टोली आदि जगहों पर सुसज्ज बुद्ध विहार के निर्माण पर कार्य किया जा रहा है। पांगोली नदी निकट पवित्र स्थल भीमघाट स्मारक के लिए भी डेढ़ करोड़ की निधि मंजूर कराने का कार्य क्षेत्र के आमदार ने किया है। इनके अलावा भी समाज के प्रत्येक व्यक्ति को किसी मदद की जा सकती है इस हेतु भी वे उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए है। शहर के साथ ही अनेक ग्रामों में उनके किये कार्यो से समाज को एक दिशा प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है।नगर परिषद के पूर्व गट नेता घनश्याम पानतवने ने भी समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि, मुझे गर्व है कि मैं प्रत्येक समाज के बारे में सोचने वाले, कार्य करने वाले विधायक के साथ जुड़ा हूँ। पानतवने ने आगे कहा, कुछ लोग सिर्फ समाज को गुमराह करने का कार्य करते आये है, जबकि दिया कुछ नही। ऐसे लोग समाज को सिर्फ बांटने का कार्य कर रहे है। हमें ऐसे उपयोग करने वालों से सावधान रहकर समाज को देने वाले उसके भले के बारे में सोचने वाले के साथ खड़ा रहना चाहिए। कार्यकम की प्रस्तावना अमित भालेराव ने रखी जबकि संचालन श्याम चौरे ने किया। सभी का आभार वसंत गनवीर ने माना।

आनंद पिंगले का पुष्पगुच्छ देकर किया स्वागत

गोंदिया- आनंद पिंगले द्वारा जिला परिषद उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) का कार्यभार स्वीकार करने पर पदाधिकारी व कर्मचारियों की ओर से पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया. इस दौरान विविध लंबित विषयों पर चर्चा की गई. शिष्टमंडल में ग्रा.पं. अधिकारी यूनियन जिला अध्यक्ष कमलेश बिसेन, लिपिक वर्गीय संगठन अध्यक्ष संतोष तोमर, कक्ष अधिकारी संगठन महासचिव सौरभ अग्रवाल, महासंघ पदाधिकारी नंदलाल कावले, अभिजीत बोपचे, संतोष तुरकर, सुभाष खत्री, निखिल बागडे, कुलदीप कापगते, शैलेष परिहार, सचिन कुथे, रामेश्वर जमइवार, सुनील जैन व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जिला अध्यक्ष भगीरथ नेवारे का समावेश रहा.

कडोतीटोला में वाचनालय का किया गया भूमिपूजन

सालेकसा-तहसील के कडोटीटोला में वाचनालय का भूमिपूजन सहसराम कोरोटे के हाथों किया गया. अध्यक्षता सरपंच आम्रपाली कोटांगले ने की. अतिथि के रूप में जिप सदस्य वंदना काले, उपसभापति संतोष बोहरे, छोटु कटरे, दिलीप वाघमारे, डा. संजय देशमुख, प्रधानाध्यापक अजय उके, भीमराव साखरे, राहुल शहारे, शैलेष शहारे, देवा उके उपस्थित थे. संचालन अनिल पडलकर ने किया व आभार विशाल पानढवले ने माना.

बूचड़खाने ले जा रहे मवेशियों का ट्रक पकड़ा
19.90 लाख रु. का माल जब्त

गोंदिया-नवेगांवबांध पुलिस को जानकारी मिली कि धाबेपवनी से नवेगांवबांध मार्ग से मवेशियों को बूचड़खाने ले जाया जा रहा है. जानकारी के आधार पर पुलिस निरीक्षक योगिता चाफले के मार्गदर्शन में दो टीम तैयार की गई. एक टीम को धाबेपवनी में तैनात किया गया. धाबेपवनी से नवेगांवबांध मार्ग पर एक ट्रक दिखाई दिया. जिसमें मवेशियों को ले जाया जा रहा था. जिसका पिछा कर इसकी जानकारी दूसरे टीम को दी गई. दूसरे टीम ने नवेगांवबांध के कृषि उत्पन्न बाजार समिति के आगे ट्रक क्र. एमएच 40- वाई 0696 को रोका. जिसकी जांच करने पर उसमें 49 मवेशियां पाई गई. नवेगांवबांध पुलिस ने अकोला जिले के मूर्तिजापुर निवासी आरोपी नईमोद्दीन नजीरोद्दीन (37), सलमानखान आशिफ खान (26), अब्दुल राजीक खालील (30) व देवरी तहसील मिसपिरी निवासी वैभव राजकुमार भैसारे (22) के खिलाफ मामला दर्ज किया है. इस कार्रवाई में 4 लाख 90 हजार रु. की मवेशियां व 15 लाख रु. का ट्रक ऐसा कुल 19 लाख 90 हजार रु. का माल जब्त किया गया है. जांच पुलिस निरीक्षक चाफले के मार्गदर्शन में हवलदार इंदुरकर कर रहे हैं. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्ष्ज्ञक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा, उपविभागीय पुलिस अधिकारी विवेक पाटिल के मार्गदर्शन में नवेगांवबांध के पुलिस निरीक्षक चाफले, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक दुनेदार, हवलदार कैलास जुमनाके, इंदुरकर, पुलिस नायक कोरे, मेंढे, सिपाही जमदाल, निकुरे, शेख, हवलदार राऊत ने की.

ग्राम पंचायत अधिकारी देखेंगे अब पंचायतो का कार्यभार
ग्राम सेवक व विकास अधिकारी के पद समाप्त

बुलंद गोंदिया। ग्रामीण क्षेत्र की प्रमुख स्थानीय संस्था ग्राम पंचायत में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अब शासन के आदेश अनुसार ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम सेवक नाम के पद समाप्त कर नए पद नाम के साथ ग्राम पंचायत अधिकारी पंचायतो का कार्य देखेंगे। गौरतलब है की ग्रामिण मंत्रालय के रूप में ग्राम पंचायत का महत्वपूर्ण कार्य है। जिसमें पदाधिकारी के साथ अधिकारी के रूप में राज्य में अब तक ग्राम पंचायत में प्रशासकीय कर्मचारियों के रूप में ग्राम सेवक व ग्राम विकास अधिकारी के पद नाम से कार्य कर रहे थे। ग्राम पंचायत में अलग-अलग पद नाम होने के चलते कर्मचारियों द्वारा अनेक वर्षों से मांग की जारी थी कि दोनों पदों को एकत्र कर एक ही पद नाम का निर्माण किया जाए। जिसका प्रस्ताव शासन के समक्ष विचाराधीन था जिस पर ग्राम विकास विभाग महाराष्ट्र शासन24 सितंबर को आदेश जारी कर यह दोनों पद नाम रद्द कर उसके स्थान पर ग्राम पंचायत अधिकारी पद नाम निर्माण किया है। जिससे अब ग्राम पंचायत में ग्राम सेवक व ग्राम विकास अधिकारी पद नाम के स्थान पर ग्राम पंचायत अधिकारी के पद नाम अमल में आ गया है,

जिससे अब उन्हें ग्राम पंचायत अधिकारी के नाम से जाना जाएगा। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत के विकास में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी यह कर्मचारी निभाता है तथा एक ही संवर्ग में दो अलग-अलग पद होने से कर्मचारियों के साथ अन्य हो रहा था लेकिन अब इसी संवर्ग में समान पद होने से वेतन की त्रुटि व अन्याय को दूर किया जा सकेगा। तथा ग्राम के विकास को और गति प्राप्त होगी साथ ही शासन द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच व उप सरपंच के मानधन में भी दुगनी बढ़ोतरी की गई है जिसका लाभ निश्चित रूप से ही ग्राम पंचायत के कामकाज को मिलेगा।

कर्मचारियों को मिला न्याय

ग्राम पंचायत में ग्राम सेवक व ग्राम विकास अधिकारी के अलग-अलग पद होने से वेतन श्रेणी वह पदोन्नति में काफी परेशानी सामने आ रही थी लेकिन अब एक ही श्रेणी का पद निर्माण हो जाने से इस संवर्ग में वेतन त्रुटी दूर होगी तथा ग्राम पंचायत में अब ग्राम पंचायत अधिकारी के पद नाम से पद की गरिमा भी बढ़ेगी। इसके लिए ग्राम पंचायत अधिकारी यूनियन द्वारा गत 8 वर्षों से शासन से मांग की जा रही थी जिसे सफलता प्राप्त हुई। राज्य के 22000 ग्राम पंचायत अधिकारियों द्वारा राज्य सरकार को धन्यवाद व्यक्त किया।

- कमलेश बिसेन
जिला अध्यक्ष ग्राम पंचायत अधिकारी यूनियन गोंदिया

सूर्याटोला से निकली पैदल यात्रा

गोंदिया-छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित डोंगरगढ़ के प्रसिद्ध मां बम्लेश्वरी मंदिर में दूरदराज के श्रद्धालु दर्शन व अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए पैदल यात्रा करते हैं. 3 अक्टूबर से नवरात्रि महोत्सव शुरू हो रहा है. नवरात्रोत्सव के पहले दिन ही मां बम्लेश्वरी देवी के दर्शन के लिए सूर्याटोला के युवक 1 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे पैदल ही रवाना हुए. नवरात्रोत्सव 3 अक्टूबर से शुरू हो रही है. अनेक भक्त पैदल यात्रा कर मातारानी के दर्शन लेने निकल पड़े हैं. शारदीय नवरात्र के एक-दो दिन पहले से ही मां बम्लेश्वरी देवी दर्शन करने डोंगरगढ़ तक पदयात्रा शुरू हो गई है. श्रद्धालु पैदल नंगे पांव माता के दर्शन के लिए रोज निकल रहे हैं. शहर से सटे सूर्याटोला के युवक महेंद्र आहाके, प्रोहित अंबुले, उमेश गौतम, अतुल गौतम, सागर गौतम, ऋषिकेश तुपकर, आलोक शाहू, आदित्य निंबार्ते, तनुज कटरे, पुर्वेश राउत, कुणाल पटले, विशाल रहांगडाले, रितिक लामकासे, येजेंद्र गौतम, विक्रम वाढिवे, बॉबी राऊत, सपू कटारे पदयात्रा कर मां बम्लेश्वरी देवी के दर्शन लेंगे.

यश ने जीता सिल्वर मेडल

आमगांव- रॉयल फिटनेस जिम के कोच प्रमोद व्यास के नेतृत्व में यश पाऊलझगडे ने रांची झारखंड में आयोजित नेशनल यूनाइटेड पॉवर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 420 किलो वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता. बजरंग दल कार्यालय में यश व प्रमोद व्यास का सत्कार किया गया. इस अवसर पर प्रांत संयोजक नवीन जैन, जिला गौरक्षा प्रमुख बालाराम व्यास, अजय गुप्ता, अविनाश चौधरी, समीर मानकर, आयुष बेटवाल, अमन शर्मा, विश्व हिंदू परिषद वाज्जरंग दल अरविंद नायडू, संजय सिंगमारे आदि उपस्थित थे.

विधानसभा चुनाव में शासकीय विभाग आपसी समन्वय से काम करें

गोंदिया-आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी शासकीय विभागों को आपसी समन्वय न्वय से कार्य करने के निर्देश जिलाधिकारी प्रजीत नायर ने सभी उपस्थित नोडल अधिकारियों को दिए। मंगलवार, 1 अक्टूबर को जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित नोडल अधिकारियों की बैठक में पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरूगानंथम, निवासी उपजिलाधिकारी भैयासाहेब बेहरे, उपजिला निर्वाचन अधिकारी किरण अंबेकर, नोडल अधिकारियों की बैठक में जिलाधिकारी नायर ने दिए निर्देश जिला नियोजन अधिकारी सुनील धोंडगे के साथ विविध विभागों के अधिकारी प्रमुखता से उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि, लोकसभा चुनाव के अनुभव को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग की सूचनाओं का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। उसी प्रकार जिस विभाग को जो जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उसका उन्हे पालन करना चाहिए। किसी भी मामले में किसी प्रकार की चूक न हो इसका ध्यान हर एक को रखना होगा। उसी प्रकार मतदाता जनजागृति के लिए विविध उपक्रम क्रियान्वित कर व्यापक जनजागृति की जानी चाहिए जिससे मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में सहायता मिल सके।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।